भारत सरकार
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4705
21 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में पश्चिम बंगाल का कार्यनिष्पादन

†4705. श्री जगन्नाथ सरकारः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पश्चिम बंगाल स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (एसबीएम-यू) के अंतर्गत देश में सबसे निचले स्थान पर है जहाँ प्रतिदिन केवल 8 प्रतिशत नगरपालिका ठोस अपशिष्ट का प्रसंस्करण किया जाता है;

(ख) यदि हाँ, तो विगत चार वर्षों के दौरान विशेषकर अन्य राज्यों की तुलना में जहाँ 100 प्रतिशत अपशिष्ट का प्रसंस्करण किया जाता है उपर्युक्त राज्य के कार्यनिष्पादन में निरंतर गिरावट के क्या कारण हैं;

(ग) क्या पश्चिम बंगाल के नगरपालिका वार्डों में घर-घर जाकर कचरा उठाने की कवरेज में कमी आई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या इस संबंध में कोई सुधारात्मक उपाय किए गए हैं या इस तरह के कुप्रबंधन के कारण केंद्र सरकार द्वारा जुर्माना या सहायता रोककर कोई दंड लगाया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री
(श्री तोखन साहू)

(क) से (घ) : संविधान की 7वीं अनुसूची के अनुसार स्वच्छता राज्य का विषय है और भारत के संविधान के 74वें संशोधन द्वारा जल और स्वच्छता सेवाओं संबंधी शक्ति शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) को सौंपी गई है। देश के शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता परियोजनाओं की योजना, डिजाइन तैयार करना, उन्हें कार्यान्वित करना और संचालित करना राज्य/शहरी स्थानीय निकायों

की जिम्मेदारी है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) और प्रयुक्त जल प्रबंधन (यूडब्ल्यूएम) पर नियमावली/मानक प्रक्रिया (एसओपी) साझा करके नीतिगत निर्देश, वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करके राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों में सहायता करता है और ठोस एवं तरल अपशिष्ट के प्रबंधन के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियों के चयन हेतु समय-समय पर विभिन्न परामर्शिकाएं और दिशानिर्देश जारी करता है।

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को पर्याप्त स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों में सहायता प्रदान करने के लिए, भारत सरकार ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (एसबीएम-यू) शुरू किया, जिसका उद्देश्य शहरों को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) बनाना और पश्चिम बंगाल राज्य सहित देश के सभी शहरी क्षेत्रों की नगरपालिका में उत्पन्न ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) का वैज्ञानिक प्रसंस्करण करना है। इस प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए, स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम-यू) 2.0 को 1 अक्टूबर, 2021 को पाँच वर्षों की अवधि के लिए शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य 100% स्रोत पृथक्करण, घर-घर जाकर संग्रहण और अपशिष्ट के सभी अंशों का वैज्ञानिक प्रबंधन करके सभी शहरों को कचरा मुक्त बनाना है।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय वर्ष 2016 से एक वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण - स्वच्छ सर्वेक्षण - आयोजित कर रहा है, जिसने वर्षों से मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में शहरों के बीच सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वच्छ सर्वेक्षण के परिणाम सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किए जाते हैं ताकि उनके शहरों के कार्य-निष्पादन का विश्लेषण करके संबंधित क्षेत्रों में सुधार किया जा सके। इसके अतिरिक्त, राज्य/शहरी स्थानीय निकाय स्तर पर हितधारकों के लिए नियमित क्षमता निर्माण पहलों के साथ-साथ देश भर में सफलता की कहानियों/सर्वोत्तम पद्धतियों का प्रचार-प्रसार अपशिष्ट प्रसंस्करण प्रणालियों के अनुकरण/उन्नयन में सहायता करता है।

एसबीएम-यू 2.0 के अंतर्गत पश्चिम बंगाल राज्य को 1449.30 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। आवंटित निधि में से 1438.24 करोड़ रुपये के केंद्रीय हिस्से वाली कार्य योजनाओं को अनुमोदन दिया जा चुका है और 217.65 करोड़ रुपये पश्चिम बंगाल राज्य को पहले ही जारी कर दिए गए हैं। इसके अलावा, एसबीएम-यू 2.0 के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन घटक के अंतर्गत 1.18 लाख टन पुराने कचरे के निपटान, 4871 टन प्रतिदिन (टीपीडी) क्षमता वाले अपशिष्ट से खाद बनाने वाले संयंत्रों, 460 टीपीडी क्षमता वाले जैव-मीथेनेशन संयंत्रों, 4272 टीपीडी क्षमता वाली

सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाओं (एमआरएफ), 2216 टीपीडी क्षमता वाले सैनिटरी लैंडफिल (एसएलएफ), 355 टीपीडी क्षमता वाले निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्रों के साथ-साथ 3 मैकेनिकल रोड स्वीपर के लिए कुल 577.88 करोड़ रुपये की केंद्रीय हिस्सेदारी वाली कार्य योजनाओं को अनुमोदन दे दिया गया है। पश्चिम बंगाल राज्य द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एसबीएम-यू के अंतर्गत सभी परियोजनाओं का विवरण एसबीएम-यू, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के पोर्टल https://sbmurban.org/swachh-bharat-mission-progess पर उपलब्ध है।

*****